हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातक	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर** : प्रथम
शिक्षिका का नाम - डॉ० निशा गोयल, कु० सुजाता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी काव्य		**क्रेडिट** : 6
कोर्स कोड : A010101T		कोर कंपलसरी
अधिकतम अंक : 100		थ्योरी

कोर्स आउटकम

- भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे।
- भारत के गौरवशाली अतीत से रूबरू होंगे।
- राष्ट्रीयता की भावना का संचार होगा।
- प्रकृति एवं मानव के प्रति संवेदनशील।
- हिंदी साहित्य, समाज तथा भाषा के विकास को समझ पायेंगे।

इकाई	शीर्षक	लेक्चर की संख्या
इकाई 1	भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत आकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य का इतिहास: इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास रासो साहित्य जैन साहित्य सिद्ध साहित्य लौकिक साहित्य नाथ साहित्य प्रमुख संप्रदाय एवं उनका वैचारिक आधार	12
इकाई 2	आधुनिक काव्य का इतिहास • सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्टभूमि, नामकरण एवं प्रवृतियां • 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण • हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृतियां एवं अवदान। • उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृतियां	12
इकाई 3	आदिकालीन कवि: • विद्यापति (संपादक - आचार्य रामलोचन शरण) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न • गोरखनाथ (संपादक - पीतांबरदत्त बड़शवाल) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न • अमीर खुसरो (डॉ० परमानंद पांचाल) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न	10
इकाई 4	भक्तिकालीन सगुण कवि • सूरदास (भ्रमरगीत सार - संपादक, आचार्य रामचंद्र शुक्ल) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न • गोस्वामी तुलसीदास (रामचरितमानस - गीता प्रेस, गोरखपुर) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न	11
इकाई 5	भक्तिकालीन निर्गुण कवि • कबीर (संपादक - श्यामसुंदर दास) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न • मलिक मोहम्मद जायसी (संपादक -आचार्य रामचंद्र शुक्ल) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न	10
इकाई 6	रीतिकालीन कवि • केशव दास (प्रिय प्रकाश, संपादक लाला भगवानदीन) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न • बिहारीलाल (बिहारी जगन्नाथ दास रत्नाकर) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न • धनानंद (धनानंद ग्रंथावली - संपादक, विश्वनाथ रसद मिश्र) व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न	11

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज
मेरठ

इकाई 7	आधुनिक कालीन कवि • भारतेंदु हरीशचंद्र (व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न) • जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न) • सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न) • सुमित्रानंदन पंत (व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न) • महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं संबंधित प्रश्न)	12
इकाई 8	छायावदोत्तर कवि और हिंदी साहित्य में शोध • अज्ञेय • मुक्तिबोध • नागार्जुन • धर्मवीर भारती • धूमिल • शोध का अर्थ और परिभाषा, शोध की प्रविधियाँ, शोध के अंग एवं शोध का महत्व	12

संदर्भ ग्रंथ :

- हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ० नागेंद्र (संपादक)
- हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य का इतिहास - बच्चन सिंह
- आधुनिक साहित्य की प्रवृतियां - नामवर सिंह
- हिंदी साहित्य एवं संवेदन का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
- कबीर -हजारी प्रसाद द्विवेदी
- प्राचीन हिंदी काव्य - डॉ० रामरतन भटनागर

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातक	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर** : द्वितीय
शिक्षिका का नाम - कु० राखी काम्बोज, कु० सुजाता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : कार्यालयी हिंदी और कंप्यूटर		**क्रेडिट** : 6
कोर्स कोड : A010101T		कोर कंपलसरी
अधिकतम अंक : 100		थ्योरी

कोर्स आउटकम

- कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी देना
- कंप्यूटर की मूलभूत जानकारी देना
- कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने में सक्षम बनाना
- रोजगार के अवसर प्रदान करना

इकाई	शीर्षक	लेक्चर की संख्या
इकाई 1	कार्यालयी हिंदी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र • कार्यालयी हिंदी का संकल्पना • उद्देश्य एवं क्षेत्र • कार्यालयी हिंदी में संभावनाएं	11
इकाई 2	कार्यालयी हिंदी में प्रयुक्त परिभाषिक शब्दावली • शब्दावली निर्माण के सिद्धांत • कार्यालयी हिंदी की परिभाषिक शब्दावली • कार्यालयों एवं अधिकारियों के पदनाम, संबोधन आदि • प्रशानिक एवं विविध शब्दावली	11
इकाई 3	कार्यालयी हिंदी पत्राचार : आवेदन पत्र कार्यालय ज्ञापन सरकारी पत्र विज्ञापन अर्द्ध सरकारी पत्र निविदा कार्यालय आदेश संकल्प परिपत्र प्रेस विज्ञप्ति अधिसूचना	12
इकाई 4	प्रारूपण, टिप्पणी, संपेक्षण, पल्लवन एवं प्रतिवेदन • प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर। • संपेक्षण का अर्थ, सामान्य परिचय, संपेक्षण की पद्धति। • पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय व प्रयोग।	11
इकाई 5	हिंदी भाषा और कंप्यूटर का विकास क्रम • कंप्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास • कंप्यूटर में हिंदी भाषा के विकास का इतिहास • कंप्यूटर में हिंदी का प्रयोग	11
इकाई 6	हिंदी भाषा में कंप्यूटर प्रौद्धिकी • इंटरनेट और हिंदी ई-मेल • हिंदी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट • सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन कौशल	11

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

इकाई 7	हिंदी भाषा और ई शिक्षण • इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र -पत्रिकाएं • इंटरनेट पर उपलब्ध दृश्य श्रव्य सामग्री • ब्लॉग फेसबुक पेज, ई पुस्तकालय सामग्री • सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञान दर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि) पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	11
इकाई 8	हिंदी कंप्यूटर टंकण एवं शॉर्ट हैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष • हिंदी भाषा के विभिन्न फॉन्ट • यूनिकोड • स्पीच टू टेक्स्ट प्रद्धोगिकी • हिंदी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण	12

संदर्भ ग्रंथ :

- प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झालटे
- प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप - कैलाशचंद्र भाटिया
- प्रारंभिक कंप्यूटर शिक्षा - राम बंसल विज्ञाचर्या
- कंप्यूटर और हिंदी - हरिमोहन
- प्रयोजनमूलक कामकप्पी हिंदी एवं कम्प्यूटिंग - डॉ० संजीव कुमार
- सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद - संजय द्विवेदी (संपादक)

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातक	**वर्ष** : द्वितीय	**प्रश्नपत्र**: प्रथम
शिक्षिका का नाम - कु० राखी काम्बोज, कु० सुजाता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : आधुनिक हिंदी काव्य		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : 213		कोर कंपलसरी
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

- आधुनिक कालीन हिंदी काव्य से परिचित हो पाएंगे।
- तत्कालीन सामाजिक सांस्कृतिक राजनैतिक स्थिति को समझ सकेंगे।
- द्विवेदी युग छायावाद युग की वैचारिकी से परिचित होंगे।

इकाई	शीर्षक	लेक्चर की संख्या
इकाई 1	मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के निर्धारित काव्यांशो से व्याख्याएं।	50
इकाई 2	सुमित्रानंदन पंत महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर के निर्धारित काव्यांशो से व्याख्याएं ।	50
इकाई 3	मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	40
इकाई 4	सुमित्रानंदन पंत महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	40

संदर्भ ग्रंथ :

- हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि - द्वारिका प्रसाद सक्सेना
- मैथिलीशरण गुप्त जेड आनंद प्रकाश दीक्षित
- प्रसाद - नंद दुलारे वाजपेयी
- कवियों में सौम्य पंत - बच्चन
- निराला का पुनर्मूल्यांकन - धनंजय वर्मा
- छायावाद और महादेवी -नंद कुमार राय
- रश्मि लोक – दिनकर

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातक	**वर्ष** : द्वितीय	**प्रश्नपत्र**: द्वितीय
शिक्षिका का नाम -डॉ० निशा गोयल, कु० राखी काम्बोज		
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी कथा साहित्य		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : 214		कोर कंपलसरी
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

- अनमेल विवाह की समस्या का चित्रण।
- दहेज प्रथा का निरूपण।
- वृद्ध जीवन की समस्या को दर्शाना।
- पीढ़ियों के अंतराल को निरूपित करना।

इकाई	शीर्षक	लेक्चर की संख्या
इकाई 1	प्रेमचंद - "निर्मला" (उपन्यास) उपन्यास आधारित निर्धारित व्याख्याएं।	40
इकाई 2	जयशंकर प्रसाद - 'गुण्डा', मन्नू भण्डारी - यही सच है; भीष्म साहनी 'चीफ की दावत', फणीश्वरनाथ रेणु, 'तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम' -पर आधारित निर्धारित व्याख्याएँ ।	50
इकाई 3	प्रेमचंद -'निर्मला (उपन्यास) पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न	40
इकाई 4	जयशंकर प्रसाद - 'गुण्डा', मन्नू भण्डारी - यही सच है; भीष्म साहनी 'चीफ की दावत', फणीश्वरनाथ रेणु, 'तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम' -पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न ।	50

संदर्भ ग्रंथ :

- हिंदी उपन्यास का उद्भव डॉ. विकास डॉ० प्रताप नारायण टण्डन
- कुछ हिंदी कहानियाँ कुछ विचार- विश्वनाथ त्रिपाठी
- कहानी कला सिद्धांत और विकास- डॉ० सुरेश चंद्र शुक्ल
- आधुनिक हिंदी उपन्यास - भीष्म साहनी
- हिंदी कहानियों की शिल्प विधि का विकास -लक्ष्मीनारायण लाल

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातक	**वर्ष** : तृतीय	**प्रश्नपत्र**: द्वितीय
शिक्षिका का नाम - कु० राखी काम्बोज, कु० सुजाता, डॉ० निशा गोयल		
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : 314		कोर कंपलसरी
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

- निबंध विद्या का सम्यक ज्ञान देना।
- प्रतिनिधि निबंधकारों एवं उनके निबन्धों से परिचित करा कराना।
- हिंदी की अन्य गद्य विधाओं का सम्यक ज्ञान देना |
- निबंध लेखन कौशल विकसित करना।

इकाई	शीर्षक	लेक्चर की संख्या
इकाई 1	निबंधों की व्याख्याएं - कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता (आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी) लक्ष्य और ग्लानि (आचार्य रामचन्द्र शुक्ला, कुटज (आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी हायावाद (नंददुलारे वाजपेयी, तुम चन्दन हम पानी (विद्यानिवास मिश्रर सौन्दर्य की उपयोगित (समतिलास शर्मा), शिवशम्भू के चिट्ठे (बालमुकूट गुप्त)।	50
इकाई 2	गद्य विधाओं की यादगार- सुथियाँ उस चन्दन तन की विष्णुकान्त शास्त्री) अपोलो का रथ (श्रीकांत वर्मा), समन्वय और सह अतित्व (विष्णु प्रभाकर अपनी-अपनी हैसियत (हरिशंकर परसाई) भक्तिन (महादेवी वर्मा)।	50
इकाई 3	नितम्बों पर आधारित मालोचनात्मक प्रश्न- शिवशम्भू के चिछे (वात्ममुकुंद गुप्त), कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता (आचार्य महावीर ताबाद द्विवेदी, लखा और जाति आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), कुरज (सार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), हायावाद (नंददुलारेवानूपेणी), तुम चंदन हम पानी (विद्यानिवास मिश्र) सौंदर्य की उपयोगिता (रामविलास शर्मा)।	40
इकाई 4	गद्य विधाओं पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न: भावर्तन (महादेवी वर्मा), सुशियाँ उस चंद्रन एल जी (विष्णुकान्त शास्त्री) अपोलो कारण (विष्णुकांत शास्त्री) समन्वय और सह (विष्णु प्रभाकर), अपनी अपनी हैसियत (हरिशंकर परसाई)।	40

संदर्भ ग्रंथ :

- हिन्दी का गद्द साहित्य रामचन्द्र तिवारी
- हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार - द्वारिका प्रसाद सक्सेना
- हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ- डॉ० हरिमोहन
- साहित्य में गद्य की नई विधायें - कैलाशचन्द्र भाटिया
- 'साहित्यिक, विधायें : पुनर्विचार – हरिमोहन

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातक	**वर्ष** : तृतीय	**प्रश्नपत्र**: प्रथम
शिक्षिका का नाम - डॉ० निशा गोयल, कु० सुजाता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : अद्यतन हिंदी एवं कौरवी लोक		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : 313		कोर कंपलसरी
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

- प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना।
- आधुनिक काव्य के विकास की सम्यक जानकारी देना।
- भारतीय साहित्य और संस्कृति से रूबरू कराना।

इकाई	शीर्षक	लेक्चर की संख्या
इकाई 1	अज्ञेय,शमशेर,बहादुर सिंह,नागार्जुन के निर्धारित काव्याशें से व्याख्याएं	50
इकाई 2	भवानी प्रसाद मिश्र, मुक्ति बोध, कृष्ण चंद्र शरमा पृथ्वी सिंह, बेधड़क से निर्धारित काव्याशें से व्याख्याएं	50
इकाई 3	अज्ञेय,शमशेर,बहादुर सिंह ,नागाजुन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न	40
इकाई 4	भवानी प्रसाद मिश्र, मुक्ति बोध, कृष्ण चंद्र शरमा पृथ्वी सिंह, तेघड़ा से निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न	40

संदर्भ ग्रंथ :

- अज्ञेय का रचना संसार - राम स्वारूप चतुर्वेदी
- भवानी प्रसाद मिश्र की काव्य यात्रा -संतोष कुमार तिवारी
- शमशेर की कविता- नरेन्द्र वशिष्ठ
- समकालीन हिन्दी कविता -विश्वनाथ पसाद तिवारी
- नयी कविता स्वारूप और समस्याएं -जगदीश गुप्त

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर**: प्रथम
शिक्षिका का नाम - डॉ० सुनीता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी साहित्य का इतिहास		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-1025		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

अध्ययन की इस प्रक्रिया में उन्हें हिन्दी साहित्य के आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विविध विचाराधाराओं, परिस्थितियों, प्रवृत्तियों, कवियों तथा उनकी रचनाओं की जानकारी अवश्यक है। साथ ही सभी युगों के नामकरण, काल विभाजन के संदर्भ में कौन-कौन से बिन्दुओं को ध्यान में रखा गया तथा किन आधारों पर नामकरण किया गया इसकी जानकारी भी होनी चाहिए। इन्हीं सब आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास के पाठ्यक्रम का अध्ययन आवश्यक है।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	हिन्दी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा ।	15
इकाई 2	आदिकाल की पृष्ठभूमि, (नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य) रासो काव्य एवं फुटकर लौकिक साहित्य (विद्यापति २४ और अमीर खुसरो)	20
इकाई 3	भक्तिकाल की परिस्थितियों, भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और प्रमुख धाराएँ (संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्ति काव्य और राम भक्ति काव्य) रीतिकालीन कविता की परिस्थिति प्रमुख प्रवृत्तियां पाराएँ (राशि शिद्ध तिरीतिमुक्त	15
इकाई 4	आधुनिक साहित्य की परिस्थितियां, विचाराधाराएं, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता ।	15
इकाई 5	आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की प्रमुख विद्याओं का परिचय, निबन्ध, उपन्यास, कहानी, नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, यात्रावृतान्त)	25

संदर्भ ग्रंथ :

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर**: प्रथम
शिक्षिका का नाम - डॉ० निशा गोयल		
पाठ्यक्रम शीर्षक : प्राचीन एवं पूर्व मध्यकालीन काव्य		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-1026		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

आदिकालीन काव्य, प्रबंध, मुक्तक आदि नेक काव्य रूपों में रचा गया है तथा इसकी अभिव्यंजना अपभ्रंश, अवहटल तथा देशी भाषा में की गई है। इस साहित्स ने परवर्ती कालाओं को प्रभारित करने में सक्रिय तथा सक्षम भूमिका का निर्वाह किया है। अतः परवर्ती काल के साहित्य का अध्ययन किए बिना इस काल के साहित्य का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सांस्कृतिक परंपरा को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उस समय के साहित्य में भाषा तथा कला के सौन्दर्य को परखने तथा समाज और संस्कृति को जानने के लिए आदिकालीन व भक्तिकालीन कविता का अध्ययन आवश्यक है।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	चंदा-पद्मावती समय, संपादितः हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह	20
इकाई 2	कबीर : कबीर ग्रन्थावली-संपादक, डॉ0 श्यामसुन्दर दास 50 साखियां (प्रारंभिक)	20
इकाई 3	मलिक मुहम्मद जायसी पद्मावत संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागमती वियोग खण्ड । सूरदास- भ्रमरगीत सार - संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल 7, 8, 23, 30, 41, 42, 52, 57, 64, 69, 70, 85, 90, 94, 97, 101, 104, 105, 116, 134, 136, 143, 155, 166, 186, 194, 210, 220, 221	20
इकाई 4	तुलसीदास : राचरित मानस, गीता प्रेस (उत्तराखण्ड के आरंभिक 40 दोहे तथा चौपाइयां)	20
इकाई 5	द्रुतपाठ :- विद्यापति, अमीर खुसरा, नानक, गोरखनाथ, मीराबाई, रैदास, कुंभनदास। द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों में से लघु उत्तरीय / अति लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। जो उनके साहित्यिक परिचय से संबंधित प्रश्न होंगे। निबन्धात्मक प्रश्न द्रुतपाठ के लिए चयनित रचनाकारों से नहीं पूछे जायेंगे।	10

संदर्भ ग्रंथ :

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर**: प्रथम
शिक्षिका का नाम - डॉ० सुनीता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : नाटक और रंगमंच		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-1027		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण तथा प्राचीन विद्या है। आचार्य भरत के नाट्य चिन्तन से लेकर आधुनिक भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य चिन्तन के प्रसिद्ध चिन्तकों का अध्ययन नाटक के स्वरूप को समझने के लिए आवश्यक है। नाटक यथार्थ एवं कल्पना के मेलजोल से विलक्षण रूप धारण कर दुष्टा एवं पाठक दोनों को मनोरंजन तो प्रदान करता ही है साथ ही साथ अपने साध्य में दृश्य होने के कारण रंगमंच से भी सीधे जुड़ा हुआ है। हिन्दी नाटक में ऐतिहासिकता के साथ-साथ जीवन की विसंगतियाँ और विद्रूपताएं भी दृष्टिगत होती हैं। इन सबको जानने-समझने के लिए इस विधा का अध्ययन आवश्यक है।

इकाई	**शीर्षक**	**व्याख्यान संख्या=90**
इकाई 1	नाटक तथा रंगमंच का स्वरूप नाट्य भेद भारतीय रूपक उपरूपकों के भेद (सामान्य परिचय)	10
इकाई 2	नाट्य विधान भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य तत्वों का विस्तृत विवेचन रंगमंच के प्रमुख प्रकार, रंगशिल्प, रंग सम्प्रेषण के विविध घटक (मूर्त एवं अमूर्त) रंगमंच-लोक नाट्य संस्थाएं), (पारसी, पृथ्वी थियेटर, इन्टा, और नुक्कड़ नाटक	20
इकाई 3	नाटकों का अध्ययन 1. अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र 2.चन्द्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद	20
इकाई 4	लहरों के राजहंस - मोहन राकेश अंधायुग - धर्मवीर भारती	20
इकाई 5	एकांकी एक घूंट -जयशंकर प्रसाद, चारुमित्रा - राजकुमार वर्मा अण्डे के छिलके - मोहन राकेश आखिरी आदमी - धर्मवीर भारती	20

संदर्भ ग्रंथ :

For –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज
मेरठ

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर**: प्रथम
शिक्षिका का नाम - डॉ० कंचन पूरी		
पाठ्यक्रम शीर्षक प्रयोजनमूलक हिंदी		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-1028		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

आज हिन्दी का प्रयोग साहित्य, सृजनात्मक लेखन के साथ-साथ कार्यालय, पत्रकारिता, कम्प्यूटर तथा अनुवाद के क्षेत्र में भी अधिकाधिक हो रहा है। कार्यालयी हिन्दी की संरचना साहित्यिक हिन्दी तथा सृजनात्मक हिन्दी से अलग है। इसी तरह इन्टरनेट तथा अनुवाद में हिन्दी का स्वरूप अलग है। हिन्दी के इन विविध रूपों का अध्ययन करना हिन्दी के आधुनिक स्वरूप को जानने, समझने के लिए आवश्यक है। इस प्रक्रिया में कार्यालयी हिन्दी के औपचारिक लेखन के स्वरूप का अध्ययन अपेक्षित है, साथ ही, अनुवाद के विविध रूप, प्रक्रिया एवं प्रविधि तथा उनके क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी के लिए यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	कामकाजी हिन्दी हिन्दी के विभिन्न रूप सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राज भाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा, कार्यालयी हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य प्रारूपण, पत्र लेखन, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन ।	20
इकाई 2	जनसंचार माध्यमों के लिए हिन्दी लेखन, रिपोर्ट-लेखन, संपादकीय अग्रलेख, लघु टिप्पणियाँ।	15
इकाई 3	फीचर लेखन, विविध दैनिकों, रेडियो चैनलों, इंटरनेट, मोबाइल, फिल्मों, टीवी चैनलों में प्रयुक्त हिन्दी का स्वरूप, जनसंपर्क एवं विज्ञापनों में हिन्दी।	15
इकाई 4	कम्प्यूटर परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय । इण्टरनेट सम्पर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इण्टरनेट समय मितव्ययता के सूत्र, वेब-पब्लिशिंग, इण्टरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्केप, लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना प्राप्त करना।	20
इकाई 5	अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि, कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद। अनुवाद का अन्य क्षेत्र वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रौद्योगिकी, विधि, साहित्य, कार्यालयी।	20

संदर्भ ग्रंथ :

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर**: द्वितीय
शिक्षिका का नाम - डॉ० सुनीता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : उत्तर मध्यकालीन काव्य		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-2025		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

जीवन के इहलौकिक पक्ष का संज्ञान भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पारलौकिकता का द्वार यहीं से खुलता है। चार पुरुषार्थ में काम का एक स्तम्भ होना गहरे अर्थ की व्यंजना करता है जैसे काम और कला घनीभूत भाव से जुड़े हैं, वैसे ही रति और रीति भी जहाँ 'रति' मानव ह्रदय की मूल प्रवृत्ति है, वहीं 'रीति' उसे मनोवांछित अभिव्यंजना देती है। हिन्दी साहित्य का रीतिकाल इन्हीं मनोवृत्तियों से जुड़ा हुआ है। तद्युगीन परिस्थितियों के कारण प्रेम के श्रृंगारिक रूप की संपृक्ति बड़ी रसिकता और शास्त्रीयता का सुखद संयोग घटित हुआ। जीवन के मधुर पक्ष को भी ठीक से समझने के लिए रीति अथवा श्रृंगारकाल का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इकाई	शीर्षक		व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	बिहारी	40 प्रारम्भिक दोहे (बिहारी बोधिनी, संपा० लाला भगवानदीन)	25
इकाई 2	घनानंद	25 प्रारम्भिक कवित्त (धनानंद कवित्त, संपा० विश्वनाथ प्रताप मिश्र)	20
इकाई 3	केशवदास	25 प्रारम्भिक कवित (राम चन्द्रिका से)	25
इकाई 4	भूषण	15 प्रारम्भिक दोहे (भूषण ग्रंथावली संपा० डॉ० भगीरथ दीक्षित)	10
इकाई 5	दुतपाठ देव, रसध्यान, सेनापति, पद्माकर, मतिराम, गिरधर कविराय, गुरू गोविंद सिंह।		10

संदर्भ ग्रंथ :

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर**: द्वितीय
शिक्षिका का नाम - डॉ० सुनीता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : कथा साहित्य		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-2026		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

हिन्दी गद्य की विधाओं में कहानी एवं उपन्यास सर्वाधिक विकसित तथा लोकप्रिय है। सम्प्रति उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है, अतः इस विधा का विस्तृत अध्ययन अपेक्षित है। (इस पाठ्यक्रम में रचनाओं के साथ-साथ, इस समयावधि के रचनाकर्म, उसकी विशिष्टताओं पर व्यापक चर्चा एवं समीक्षा की जानी अपेक्षित है

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	उपन्यास एवं कहानी का स्वरूप, इतिहास, प्रमुख शैलियों, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों एवं कहानीकारों का वस्तु शिल्पगत वैशिष्ट्य ।	10
इकाई 2	1. गोदान - प्रेमचंद 2. मैला आंचल	25
इकाई 3	1. बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद द्विवेदी'	20
इकाई 4	हिन्दी कहानी चंद्रधर शर्मा गुलेरी (उसने कहा था), जयशंकर प्रसाद (पुरस्कार), प्रेमचन्द (कफन) निर्मल वर्मा (परिन्दे) गिरिराज किशोर (अन्तर्दाह), से० रा० यात्री (टापू पर अकेले)	25
इकाई 5	द्रुतपाठ अमृतलाल नागर, श्रीलाल शुक्ल, शैलेश मटियानी, कृष्णा सोबती, मृणाल पाण्डेय, चित्रा मुद्गल, मन्नू भण्डारी ।	10

संदर्भ ग्रंथ :

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर**: द्वितीय
शिक्षिका का नाम - डॉ० निशा गोयल		
पाठ्यक्रम शीर्षक : कथेतर गद्य साहित्य		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-2027		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

हिन्दी साहित्य की विधाओं में कथा साहित्य एवं नाट्य के अतिरिक्त सृजनधर्मी रचनाकारों द्वारा लिखित अन्य विधाओं का अध्ययन भी अपेक्षित है। यह प्रश्नपत्र इसी कमी को पूरा करता है जिसमें साहित्य की कई नवीन विधाओं का अध्ययन होगा।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	**निबंध:** श्रद्धा-भक्ति - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल देवदारू - हजारी प्रसाद द्विवेदी मेरे राम का मुकुट भीग रहा है - विद्यानिवास मिश्र निषाद बासुंरी - कुबेरनाथ राय	25
इकाई 2	**व्यंग्य :** हरिशंकर परसाई - इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर शरद जोशी - होना कुछ नहीं का श्रीलाल शुक्ल - कुत्ते और कुत्ते रवीन्द्र नाथ त्यागी - एक दीक्षांत भाण	25
इकाई 3	**रेखाचित्र :** दस तस्वीरें - जगदीश चन्द्र माथुर	10
इकाई 4	घुमक्कड़ शास्त्र - राहुल सांकृत्यायन	10
इकाई 5	महावीर प्रसाद द्विवेदी, कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर', पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र', डॉ० नगेन्द्र, ज्ञान चतुर्वेदी, ओम प्रकाश वाल्मीकि ।	20

संदर्भ ग्रंथ :

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : प्रथम	**सेमेस्टर**: द्वितीय
शिक्षिका का नाम - डॉ० कंचन पूरी		
पाठ्यक्रम शीर्षक : भाषा विज्ञानं एवं हिंदी भाषा		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-2028		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

साहित्य आयंत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भामिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाईयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीयक साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति, प्राचीन भारतीय एवं अधुनातन पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येतर, प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है। भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिन्दी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	भाषा और भाषा विज्ञान भाषा की परिभाषा, भाषाविज्ञान स्वरूप एवं अध्ययन की दिशाएँ, (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रायोगिक) विश्व के भाषा परिवार।	20
इकाई 2	स्वन प्रक्रिया स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, वाग्वयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था खण्ड्य, खंड्येतर, स्वन-नियम। अर्थविज्ञान अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, शब्द भेद, अर्थ परिवर्तन, दिशाएं एवं कारण ।	20
इकाई 3	हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ पालि, प्राकृत-शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ । आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण, द्रविड़ परिवार की भाषाओं का सामान्य परिचय। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियों का सामान्य परिचय खड़ीबोली, अवधी और ब्रज की ध्वनि और रूप सम्बन्धी विशेषताएँ ।	20
इकाई 4	हिन्दी का भाषिक स्वरूप हिन्दी वर्तनी और उच्चारण के सिद्धान्त हिन्दी शब्द रचना उपसर्ग, प्रत्यय, समास रूपरचना लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिन्दी वाक्य रचना पदक्रम और अन्विति ।	20
इकाई 5	देवनागरी लिपि विशेषताएँ और मानकीकरण ।	10

संदर्भ ग्रंथ :

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : द्वितीय	**सेमेस्टर**: तृतीय
शिक्षिका का नाम - डॉ० सुनीता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : आधुनिक काव्य (छायावाद पर्यन्त)		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-3025		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए हैं। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएं, भावनाएं एवं नूतन विचार सारणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई हैं। मुकम्मल मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है। विविध धाराओं में प्रवाहमान आधुनिक हिन्दी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अगम स्रोत है अतः संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

इकाई	**शीर्षक**	**व्याख्यान संख्या=90**
इकाई 1	मैथिलीशरण गुप्त - साकेत का नवम सर्ग	20
इकाई 2	जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिन्ता और आनन्द सर्ग)	20
इकाई 3	सूर्यकांत पिठी 'निराला' - राम की शक्ति पूजा	15
इकाई 4	सुमित्रानंदन पन्त - नौका विहार, परिवर्तन, मौन निमन्त्रण, महादेवी वर्मा - 'यामा' के प्रारम्भिक पाँच गीत	25
इकाई 5	द्रुतपाठ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', सुभद्रा कुमारी चौहान, माखनलाल चतुर्वेदी, रामनरेश त्रिपाठी, बालकृष्ण शर्मा नवीन ।	10

संदर्भ ग्रंथ :

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : द्वितीय	**सेमेस्टर**: तृतीय
शिक्षिका का नाम - डॉ० कंचन पूरी		
पाठ्यक्रम शीर्षक : भारतीय काव्यशास्त्र		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-3026		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्‌घाटन के लिए काव्यशास्त्र का ज्ञान अपरिहार्य है। इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है। वह दृष्टि मिलती है, जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविकता परखी जा सके। सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता से समझने और जानने-परखने के लिए भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन समीचीन है। वहीं पाश्चात्य काव्य शास्त्र का अध्ययन भी आवश्यक हैं।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन। अलंकार की अवधारणा, अलंकार सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ। रीति की अवधारणा, रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।	20
इकाई 2	रस का स्वरूप रस निष्पत्ति, साधारणीकरण। वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।	20
इकाई 3	ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ । औचित्य की अवधारणा, औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ।	20
इकाई 4	प्लेटो काव्य सिद्धान्त । अरस्तू - अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त। लोंजाइनस -उदात्त की अवधारणा	20
इकाई 5	आई०ए० रिचर्डस संवेगों का सन्तुलन। कोचे अभिव्यंजनावाद | टी०एस० इलियट - निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।	10

संदर्भ ग्रंथ :

For – [signature]

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज
मेरठ

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : द्वितीय	**सेमेस्टर**: तृतीय
शिक्षिका का नाम - डॉ० निशा गोयल		
पाठ्यक्रम शीर्षक : पत्रकारिता प्रशिक्षण		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-3027		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

पत्रकारिता आज जीवन-समाज की धड़कन बन गई है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, वैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मिडिया, इलैक्ट्रॉनिक मिडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित स्वरूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। साहित्यिकता के साथ-साथ रोजगारपरकता की आकांक्षा की पूर्ति भी इससे होती है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व, नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है।

इकाई	**शीर्षक**	**व्याख्यान संख्या=90**
इकाई 1	**प्रिन्ट पत्रकारिता** पत्रकारिता का स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास। समाचार के मूल तत्व, समाचार के विभिन्न स्रोत । संपादन कला के सामान्य सिद्धांतः शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार प्रस्तुतीकरण। दृश्य सामग्री-कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स की व्यवस्था एवं फोटो पत्रकारिता ।	20
इकाई 2	पत्रकारिता से संबंधित लेखन संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा, खोजी पत्रकारिता ।	20
इकाई 3	**इलैक्ट्रॉनिक पत्रकारिता** इलैक्ट्रॉनिक मीडिया का उद्भव एवं विकास इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता :- 1. रेडिया की पत्रकारिता :- समाचार बुलेटिन सम्बन्धी सिद्धान्त, उनकी तकनीक, रेडियो बुलेटिनों के प्रकार । 2. टेलीविजन में समाचार संकलन, संपादन, प्रस्तुतीकरण । 3 इण्टरनेट की पत्रकारिता	20
इकाई 4	समाचार संकलन तकनीक 1. साक्षात्कार, 2 प्रेसवार्ता, 3. संसदीय रिपोर्टिंग, 4. विधि समाचार, 5. खेल समाचार, 6. भाषणों, बैठकों संगोष्ठियों आदि के समाचार तथा प्रेस विज्ञप्तियाँ 7. दुर्घटनाओ, आपाओ, अपराधों की रिपोर्टर बोगी पारित 8. एंकरिंग तकनीक	20
इकाई 5	रेडियो एवं टेलीविजन की तकनीक एवं उपकरण :- 1. माइक्रोफोन, रिकार्डर, मिक्सर, विडियो कैमरा, प्रकाश संबंधी यंत्र / एनीमेशन और नीमीडिया	10

संदर्भ ग्रंथ :

For – [signature]

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज
मेरठ

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : द्वितीय	**सेमेस्टर**: तृतीय
शिक्षिका का नाम - डॉ० कंचन पूरी		
पाठ्यक्रम शीर्षक : प्रस्तुतिकरण एवं मौखिक		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-725		
अधिकतम अंक : 50		
कोर्स आउटकम		

इकाई	**शीर्षक**	**व्याख्यान संख्या=90**
इकाई 1		
इकाई 2		
इकाई 3		
इकाई 4		
इकाई 5		

आवश्यक निर्देश-

- चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रस्तुतिकरण एवं मौखिकी का है। इस प्रश्नपत्र के अन्तर्गत विद्यार्थी कम से कम 10 पृष्ठों का एक आलेख विमान में प्रस्तुत करेगा। जिसकी विषयवस्तु निम्नांकित में से किसी एक पर केन्द्रित होगी।
- तीन सेमेस्टर के चारों प्रश्नपत्रों के किसी भी विषय / साहित्यकार /उनकी रचना पर विशद् समीक्षा।
- साहित्यिक पुस्तकों/पत्र-पत्रिकाओं पर समीक्षात्मक अख
- साहित्यिक गतिविधियों/साहित्यिक संस्थाओं की गतिविधियों पर आलेख
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोग भाषा विज्ञान एवं राजभाषा के प्रयोग पर आलेख
- पत्रकारिता संबंधी विषयों में प्रयोग निर्माण संबंधी प्रयोग
- अनुवाद संबंधी प्रयोग पर आलेख
- साहित्यिक एवं आलोचनात्मक पत्रिकाओं पर समीक्षात्मक आलेख।
- इस प्रयोगात्मक प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा और प्रायोगिकी संबंधी प्रश्न भी छात्र-छात्राओं से पूछे जाएंगे विषय का निर्धारण समयावधि को देखते हुए संबंधित आन्तरिक शिक्षक द्वारा किया जाएगा और समय सारणी में इसके लिए भी समय का अन्य प्रश्नपत्रों की भांति निर्धारण होगा और अनिवार्यतः तत्संबंधित विषय पर कक्षाएं कराई जाएंगी।

संदर्भ ग्रंथ :

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : द्वितीय	**सेमेस्टर**: चतुर्थ
शिक्षिका का नाम - डॉ० सुनीता		
पाठ्यक्रम शीर्षक : छायावादोत्तर काव्य		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-4025		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर-काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए जिसके बीज-बिन्दु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगतिशील साहित्यांदोलनों को बढ़ावा दिया। नये मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहभंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे, आक्रोष और विद्रोह की प्रवृत्ति व्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया, फलस्वरूप नये-नये बिंग, प्रतीक एवं अभिव्यंजना-रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहभंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विश्वजनीन हो गई है। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन परमावश्यक है।

इकाई	**शीर्षक**	**व्याख्यान संख्या=90**
इकाई 1	छायावादोत्तर काव्य की विभिन्न विचारधाराएं :- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना का काव्य, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, २० समकालीन कविता, नवगीत, अकविता, उत्तर आधुनिकतावाद	20
इकाई 2	प्रमुख कवि तथा उनकी काव्य प्रवृत्तियाँ ।	15
इकाई 3	अज्ञेय - असाध्य वीणा, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, बावरा अहेरी। मुक्तिबोध - अंधेरे में।	20
इकाई 4	नागार्जुन - कालिदास, बहुत दिनों के बाद, अकाल और उसके बाद। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - -कुआनो नदी, जंगल का दर्द, एक सूनी नाव, बांस का पुल	20
इकाई 5	द्रुतपाठ :- रघुवीर सहाय, 'धूमिल', दुष्यन्त कुमार, धर्मवीर भारती, लीलाधर जगूड़ी, कुँअर बेचैन ।	15

संदर्भ ग्रंथ :

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : द्वितीय	**सेमेस्टर**: चतुर्थ
शिक्षिका का नाम - डॉ० निशा गोयल		
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी आलोचना		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-4028		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

हिन्दी साहित्य की कुछ विधाएँ इतनी विकसित हो गयी हैं कि उनके स्वतंत्र सघन अध्ययन के लिए पृथक वैकल्पिक प्रश्नपत्र की आवश्यकता है। हिन्दी आलोचना ऐसी ही एक विद्या है इसका विस्तृत ज्ञान प्राप्त करके विद्यार्थी सफल आलोचक हो सकता है, जो हिन्दी पठन-पाठन का मूल प्रायोजन है।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1	हिन्दी आलोचना का स्वरूप और विकास	10
इकाई 2	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की साहित्यिक मान्यताएँ	20
इकाई 3	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की साहित्यिक मान्यताएँ	20
इकाई 4	रामधारी सिंह दिनकर और अज्ञेय की साहित्यिक मान्यताएं	20
इकाई 5	द्रुतपाठ- महावीर प्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र, विजयदेव नारायण शाही, नंद दुलारे वाजपेयी, गजानन माधव मुक्तिबोच द्रुतपाठ हेतु चयनित रचनाकारों में से केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जाएंगे।	20

संदर्भ ग्रंथ :

for –

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

हिंदी विभाग

प्रोग्राम : स्नातकोत्तर	**वर्ष** : द्वितीय	**सेमेस्टर**: चतुर्थ
शिक्षिका का नाम - डॉ० निशा गोयल		
पाठ्यक्रम शीर्षक : भारतीय साहित्य		**क्रेडिट** :
कोर्स कोड : G-4027		
अधिकतम अंक : 50		थ्योरी

कोर्स आउटकम

भारतीय भाषाओं में हिन्दी साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए हिन्दी साहित्यत्याध्ययन को अधिकाधिक गंभीर। तथा प्रशस्त बनाना 'आवश्यक है। भारतीय साहित्य की सपरचना के लिए हिन्दी का भारतीय संदर्भ सर्वथा आसंनिक 1 इस दृष्टि से हिन्दी के स्नातकोत्तर विद्याधियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का आन अनिवार्य है।

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान संख्या=90
इकाई 1 (क)	भारतीय साहित्यि की परिधि – • भारतीय भाषाओं का परिचय। • भारतीय भाषाओं का इतिहास। • भारतीय भाषाओं का क्रमिक विकास। • भारतीय भाषा परिवार का परिचय। • भारतीय भाषाओं के आपसी सम्बन्ध। • आर्य परिवार की अन्य भाषाओं से हिन्दी का सम्बन्ध।	15
(ख)	भारतीय साहित्य में प्रतिनिधिगत भारतीय संस्कृति तथा भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता- • भारतीय साहित्य और कला, • भारतीय संस्कृति भारतीय साहित्य अनेकता में एकता का प्रतीक • भारतीय कलाओं के स्त्रोत्र • भारतीय संस्कृति में स्थित मूलभूत एकता, • भारतीय भाषाओँ की मूलभूत एकता • भारतीय सहिया और कला में आज के भारत का बिम्ब • हिंदी भाषा तथा सहिया का संक्षिप्त परिचय • मानव मूल्य और साहित्य • भारतीयता का आशय और अवधारणा • भारतीय सामाजिक व्यवस्था में सांस्कृतिक ऐक्य • भारतीय समाज के वैशिष्ट्य	25
इकाई 2	हिन्दी और बंगला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन • बंगला भाषा और हिन्दी भाषा का उद्भत काल। • बंगला साहित्य और हिन्दी साहित्य के आरम्भ काल का तुलनात्मक अध्ययन। • बंगला साहित्य एवं हिन्दी साहित्य के पूर्व मध्यकाल का तुलनात्मक अध्ययन। • उत्तर मध्यकालीन बंगला साहित्य और हिन्दी का तुलनात्मक अध्ययन। • आधुनिक काल में रचित बंगला एवं हिन्दी साहित्य की रूपरेखा।	20
इकाई 3	मालंच (बंगला) उपन्यास, व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न अनुवाद - नीरजा / फुलवारी लेखक - रविंद्रनाथ ठाकुर	10
इकाई 4	हृयवदन - नाटक (कन्नड़) व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न लेखक - गिरीश कर्नाड	10

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज

इकाई 5	कालिदास - संस्कृत सुंदररामा स्वामी - तमिल के ० जी ० शंकर पिल्लै - मलयालम पाश - पंजाबी विजय तेंदुलकर - मराठी जस्मा ओड़न - गुजरती पद्मा सचदेव - डोगरी	10

संदर्भ ग्रंथ :

एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी–विभाग
रघुनाथ गर्ल्स कॉलिज